भारत सरकार

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या: 3391

07 अगस्त, 2026 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

सिजेरियन प्रसव दर को कम करने के उपाय

3391. श्री भाऊसाहेब राजाराम वाकचौरेः

क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार को महाराष्ट्र के अहिल्यानगर जिले के शिरडी संसदीय निर्वाचन क्षेत्र से डॉ. प्रबोध जोशी द्वारा विकसित भारत में 'ऐविडेंस बेस्ड अपराइट बर्थिंग पोजीशन' का उपयोग करके 10,000 सफल प्रसव कराने के वैज्ञानिक अनुसंधान और परिणामों की जानकारी है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या यह अनुसंधान सिजेरियन (सी-सेक्शन) प्रसव दर को कम करने और मातृ एवं बाल स्वास्थ्य परिणामों में सुधार लाने में प्रभावी सिद्ध हुआ है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार की देश के ग्रामीण क्षेत्रों में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों (पीएचसी) में इस मॉडल को दोहराने और कार्यान्वित करने की योजना है;

(घ) क्या इस शोध के प्रचार-प्रसार के लिए प्रशिक्षण और सामग्री के प्रकाशन के लिए वित्तीय सहायता प्रदान किए जाने की संभावना है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) क्या सरकार का इस पद्धति को सुरक्षित मातृत्व की राष्ट्रीय नीति में एकीकृत करने का विचार है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री

(श्रीमती अनुप्रिया पटेल)

(क) से (ङ) महाराष्ट्र राज्य से प्राप्त जानकारी के अनुसार, जिला स्वास्थ्य प्रशासन, अहिल्यानगर को शिरडी संसदीय निर्वाचन क्षेत्र में किसी कार्यरत चिकित्सक द्वारा एविडेंस बेस्ड अपराइट इंडियन बर्थिंग पोजीशन के विकास के संबंध में कोई आधिकारिक सूचना प्राप्त नहीं हुई है। जिला स्वास्थ्य प्रशासन ने सी-सेक्शन प्रसव दरों को कम करने या मातृ एवं नवजात स्वास्थ्य परिणामों में सुधार का आकलन करने के लिए कोई मूल्यांकन रिपोर्ट तैयार या प्राप्त नही की है।

तथापि, भारत सरकार ने मिडवाइफरी-संचालित देखभाल इकाइयों (एमएलसीयू) की स्थापना के लिए सभी राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को पहले ही ''मिडवाइफरी इकाइयों के संचालन संबंधी दिशा-निर्देश'' परिचालित कर दिए हैं। ये इकाइयॉ महिलाओं को वैज्ञानिक रूप से मान्य, साक्ष्य-आधारित वैकल्पिक प्रसव स्थितियों का विकल्प प्रदान करके फिजीयोलॉजिकल प्रसव को वढ़ावा देती हैं और इनसे अनावश्यक सिजेरियन प्रसव को कम करने की दिशा में योगदान देने की आशा है।

इसके अलावा, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के तहत, संबंधित राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के कार्यक्रम कार्यान्वयन योजनाओं (पीआईपी) के माध्यम से प्राप्त प्रस्तावों के आधार पर ऐसी मिडवाइफरी-संचालित देखभाल इकाइयों की स्थापना और संचालन के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है।

*****